आधार वर्ष में संशोधन हेतु समिति

[स्रोत: इकॉनोमिक टाइम्स](#)

हाल ही में **सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI)** द्वारा राष्ट्रीय लेखाओं के लिये आधार वर्ष **(Base Year)** के संशोधन की समीक्षा करने के लिये एक समिति गठित की गई।

- इस **26 सदस्यीय समिति** की अध्यक्षता **बिस्वनाथ गोलदार** करेंगे और यह समिति राष्ट्रीय खातों के लिये एक नए आधार वर्ष की सिफारिश करेगी, जो संभवतः **थोक मूल्य सूचकांक, उत्पादक मूल्य सूचकांक तथा उपभोक्ता मूल्य सूचकांक** जैसे सूचकांकों के साथ संरेखित होगी।
- वर्तमान में आधार वर्ष **2011-12** है लेकिन इसमें संशोधन कर इसे वर्ष 2020-21 बनाने का प्रस्ताव किया गया है।
- इस पहल का उद्देश्य मौजूदा डेटाबेस की समीक्षा करके और नए डेटा स्रोतों को शामिल करके **आर्थिक विश्लेषण तथा नीति-निर्माण को** और अधिक **सटीक बनाना** है।
- भारत में **वर्ष 2015** में **संयुक्त राष्ट्र प्रणाली राष्ट्रीय लेखा (United Nations System of National Accounts- SNA), 2008** के अनुरूप स्रोतों और विधियों के अनुकूलन के बाद जीडीपी शृंखला का आधार वर्ष 2004-05 से 2011-12 में संशोधित किया गया था।
- SNA आर्थिक गतिविधि के उपायों को संकलित करने के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत अनुशंसाओं का मानक समुच्चय है।

और पढ़ें: GDP की गणना और आधार वर्ष

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/committee-to-revise-base-year